वार्तालाप 479, अनंतपुर (आं.प्र.), दिनांक.02.01.08
Disc.CD No.479, Dt. 02.01.08, Anantpur (Andhra Pradesh)

समय – 1.10–12.50
जिज्ञासु – सहस्रबाहु कार्तिवीर्यार्जुन विजयी होकर आते है। भृगु महर्षि के आश्रम में जाते है। वहां..........
बाबा– अरे, टीवी देख करके क्या सत्यानाश कर दिया है ....
जिज्ञासु – भृगु महर्षि के आश्रम में जाते है। वहां ऋषि से कामधेनु गाय माँगते है। इसका बेहद में क्या अर्थ है?
Time: 1.10-12.50
Student: Sahastrabahu Kartiveeryarjun comes after becoming victorious. He goes to the hermitage (*ashram*) of sage *Bhrigu*. There...
Baba: Arey, you have spoilt everything by watching TV.....
Student: He goes to the *ashram* of sage *Bhrigu*. There he seeks the cow named *Kamdhenu* from the sage. What does it mean in an unlimited sense?

बाबा – विश्वामित्र और वशिष्ठ की कथा है। विश्वामित्र क्षत्रिय थे। और वशिष्ठ? (किसी ने कहा – ब्राह्मण) ब्राह्मण थे। उनके पास पवित्रता की पावर थी। किनके पास? (किसी ने कहा – वशिष्ठ के पास) वशिष्ठ के पास। पक्के ब्राम्हण थे ना। और वो पक्के ब्राह्मण थे नहीं। कच्चे ब्राह्मण भी नहीं थे। क्या थे? (किसी ने कहा – क्षत्रिय) क्षत्रिय थे माना फेलियर थे। किस बात में फेलियर? हैं? प्यूरिटी की पावर में फेलियर थे। हालांकि उनके पास अस्त्र–शस्त्र बहुत थे। क्या? ज्ञान के अस्त्र शस्त्र जैसे राम वाली आत्मा के पास बहुत होते है भले फेलियर हो जाती है। तो भी और ब्राह्मणों के मुकाबले अस्त्र शस्त्र बहुत थे। अब समझ लो विश्वामित्र कौन है? और वशिष्ठ कौन है?
Baba: There is a story of *Vishwamitra* (a sage) and *Vashishtha* (a sage). *Vishwamitra* was a *Kshatriya* (warrior). And what about *Vashishtha*? (Someone said – a Brahmin) He was a Brahmin. He had the power of purity. Who? (Someone said – *Vashishtha*) *Vashishtha*. He was a strong Brahmin, was he not? And he *(Vishwamitra)* was not a firm Brahmin. He was not a weak Brahmin either. What was he? (Someone said – *Kshatriya*) He was a *Kshatriya*, i.e. he was a failure. Failure in which subject? Hum? He was a failure in the power of purity. Although he had a lot of weapons and armaments; what? The soul of Ram has a lot of weapons and armaments of knowledge, no matter he becomes a failure. Even then, when compared to other Brahmins he had a lot of weapons and armaments. Now, you can understand as to who is *Vishwamitra*? And who is *Vashishtha*?

ब्राह्मणों की दुनिया में कौन वशिष्ठ हुआ और कौन विश्वामित्र हुआ? (किसी ने कहा – ब्रह्मा बाबा) ब्रह्मा बाबा क्या हुये? (किसी ने कहा – वशिष्ठ) वशिष्ठ हुये। पवित्रता का विशिष्ठ पुरूषार्थ उन्होने कर लिया। और वो विश्व के मित्र नहीं थे। ब्रह्मा बाबा सारे विश्व के मित्र थे, विश्वामित्र थे, या सिर्फ ब्राह्मणों के मित्र थे? (कईयों ने कहा – ब्राह्मणों के मित्र) ब्राह्मण सो देवताओं के मित्र थे। और विश्वामित्र? (किसी ने कहा – सारी विश्व) सारे विश्व के मित्र तो थे। लेकिन उनके पास पवित्रता की पावर (सबने कहा – नहीं थी) नहीं थी। ब्राह्मणत्व की पावर नहीं थी। और सारे ही अस्त्र शस्त्र उनके पास थे। जिन अस्त्र शस्त्रों के जोर से उन्होने सारे विश्व को जीत लिया।
Who is *Vashishtha* and who is *Vishwamitra* in the world of Brahmins? (Someone said – Brahma Baba) What was Brahma Baba? (Someone said – *Vashishtha*) He is *Vashishtha*. He made special efforts for the soul, of purity. And he was not the friend of the (entire) world. Was Brahma Baba the friend of the entire world, was he *Vishwamitra* or was he the friend of

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

just the Brahmins? (Many said – He was a friend of Brahmins) He was the friends of those who transform from Brahmins to deities. And what about *Vishwamitra*? (Someone said – the entire world) He was the friend of the entire world. But he (All said – did not have) didn't have the power of purity. He did not have the power of Brahminism. But he had all the rest of the weapons and arms. He had the weapons and arms with which he had gained victory over the entire world.

उनकी इच्छा हुई, कि कामधेनु गऊ इस ब्राह्मण के पास है। वो कामधेनु गऊ यज्ञ के आदि में किसके पास थी? है? (किसी ने कहा – ब्रह्मा बाबा के पास थी) ब्रह्मा बाबा के पास थी। हां झगड़ा तो चाहे महाभारत युद्ध हो, चाहे राम–रावण युद्ध हो, चाहे देवासुर संग्राम हो, झगड़े के बीच में तो कोई न कोई स्त्री ही आती है। तो गऊ के रूप में कोई कामधेनु गऊ थी जो वशिष्ठ जी के कंट्रोल में थी। अंडर में थी। विश्वामित्र का दिल आ गया। कम से कम ये गऊ तो इनसे ले लें। गऊ मांगने पहुंचे तो उन्होने मना कर दिया – नहीं। हम नहीं देंगे तुमको ये गऊ।
A desire emerged in his mind, "This Brahmin has the *Kamdhenu* cow (the cow which fulfills all the wishes)." Who possessed the *Kamdhenu* cow in the beginning of the *yagya*? Hum? (Someone said – It was with Brahma Baba). It was with Brahma Baba. Yes, whether it is the war of *Mahabharata*, whether it is the war between Ram and Ravan, whether it is the fight between the deities and the demons *(Devasur Sangram)*, it is one or the other woman who becomes the cause for the war. So, there was a *Kamdhenu* cow in the form of a cow, which was under the control of *Vashishthji*. (The cow) was under *(Vashishthaji)*. Vishwamitra liked it. (He thought), "I should obtain at least this cow from him." When he reached to seek the cow, he (i.e. *Vashishth*a) declined (saying), 'No. I will not give you this cow.'

कामधेनु गऊ सब मनोकामनाओं की पूर्ति करने वाली है। क्या? अरे लक्ष्मी गऊ हो तो कोई बात नहीं। वो तो सिर्फ ज्ञान रत्न ही देगी। और कामधेनु गऊ तो सब मनोकामनाओ की पूर्ति करने वाली है। वो गइया हम नहीं दे सकते। कौन है वो कामधेनु गऊ? (किसी ने कहा – मम्मी, जगदम्बा) जगदम्बा। तो मना कर दिया। उन्होने कहा कि अगर तुम नहीं दोगे तो मालूम क्या होगा? हैं? अगर तुमने हमको गइया न दी, तो फिर हम तुम्हारे ऊपर हमला कर देंगे। क्या? क्या कर देंगे? ज्ञान बाणों का हमला कर देंगे, अस्त्र शस्त्रों से तुम्हे जीत करके हम गइया ले लेंगे।
Kamdhenu cow fulfils all the desires. What? Arey, it does not matter if it is the cow *Lakshmi*. She will give only gems of knowledge, whereas the *Kamdhenu* cow is the one to fulfill all the desires. (*Vashishthji* said), "I cannot give that cow." Who is that *Kamdhenu* cow? (Someone said – Mummy, *Jagdamba*) *Jagdamba*. So, he *(Vashishthaji)* refused. He *(Vishwamitra)* said, "Do you know what will happen if you do not give (me the cow)?" Hum? (*Vishwamitra* said), "If you do not give me this cow, then I will attack you." What? What will I do? I will attack you with the arrows of knowledge; I will conquer you with the help of weapons and armaments and take the cow."

आदि में भी ये लड़ाई हुई थी। क्या? यज्ञ के आदि में भी ये लड़ाई हुई थी। और अंत में भी यही लड़ाई है। युद्ध हुआ। विश्वामित्र ने सारे अस्त्र शस्त्रों का प्रहार किसके ऊपर कर दिया? वशिष्ठ जी के ऊपर कर दिया। वशिष्ठ जी क्या करते गये? हैं? उनके पास जो पवित्रता का दण्ड था, जो भी अस्त्र शस्त्र छोड़ते थे वो दण्ड आगे कर देते थे। सारे अस्त्र शस्त्र उनके भस्म हो जाते थे।
This war had taken place in the beginning (of the *yagya*) too. What? Even in the beginning of the *yagya* this fight had taken place and even in the end it is the same fight. A war took place.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

On whom did *Vishwamitra* attack with all his weapons? He attacked *Vashishthji*. What did *Vashishthji* do? Hum? He *(Vashishtha)* had the stick of purity, whatever weapon he (i.e. *Vishwamitra*) used to use against him, he (i.e. *Vashishtha*) used to put his *dand* (a stick) forward And all his weapons used to be burnt into ashes.

अभी भी ऐसे ही हो रहा है कि नहीं? (किसी ने कहा – हो रहा है) हैं? वो कामधेनु गइया के ऊपर किसका अधिकार है? है? उस कामधेनु गऊ के ऊपर कौन सवार है? अरे। अरे, आदि में वो कामधेनु गऊ जगदम्बा का पार्ट बजाने वाली और अंत में महाकाली का पार्ट बजाने वाली। महाकाली जो पार्ट बजाती है तो उसके सर पर सवार कौन होता है? (किसी ने कहा – चंद्रमा) चंद्रमा कौन है? (किसी ने कहा – ब्रह्मा) ज्ञान चंद्रमा वो ही वशिष्ठ, ब्रह्मा बाबा। वो बुद्धि की लगाम पकड़े बैठे है। ले तो जाओ तुम। तो युद्ध हुआ। और विश्वामित्र को हाथ कुछ भी, कुछ भी नहीं लगा। तो विश्वामित्र को गुस्सा आ गया। हैं? अपने अस्त्र शस्त्रों के ऊपर। हैं, बेकार है ये सब। दिग्बलम क्षत्रिय बलम। धिक्कार है इस क्षत्रिय बल को। ढेर सारे अस्त्र शस्त्र इकट्ठे कर लिए। धिक्कार है इन अस्त्र शस्त्रों के उपर। दिग्बलम क्षत्रिय बलम ब्रह्म तेजो बलम बलम। क्या? जो ब्रह्म तेज है वही असली बल है।

Is it or is it not happening like this even now? (Someone said – It is happening) Hum? Who has the right over the cow *Kamdhenu*? Hum? Who is riding on the cow *Kamdhenu*? Arey? Arey! In the beginning that *Kamdhenu* plays the part of *Jagdamba* and in the end it plays the part of *Mahakali*. Who rides on the head of the one who plays the part of *Mahakali*? (Someone said – The Moon) Who is the Moon? (Someone said – Brahma) The Moon of knowledge itself is *Vashishtha*, Brahma Baba. He is holding the reins of the intellect. (Brahma Baba says), “You take it (if you can).” So, a fight took place. And *Vishwamitra* did not receive anything on hands. So, *Vishwamitra* became furious. Hum? (He became furious) over his weapons. (He said), “Hum, all these are a waste. ‘*Digbalam Kshatriya Balam.’* To curse on this *Kshatriya* power. I have simply collected so many weapons. O curse on these weapons. ‘*Digbalam Kshatriya Balam Brahm Tejo Balam Balam.*’ What? The splendour of Brahm is the true power.”

फिर उन्होने तपस्या शुरू कर दी। तपस्या करके उन्होने ब्रह्म तेज हासिल कर लिया। क्या? तपस्या करी और क्षत्रिय से क्या बन गये? ब्राह्मण बन गये, पक्के। (किसी ने कुछ कहा) फिर तो वशिष्ठजी ने अपने आप गइया दे दी, भइया ले जाओ। (किसी ने कहा – बीच में एक बार फेल हुआ) हां।
Then he *(Vishwamitra)* started performing *tapasya* (ascetic practice). He achieved the splendour of Brahm by performing *tapasya*. What? He did *tapasya* and transformed from a *Kshatriya* to what? He became a firm Brahmin. (Someone said something) Then Vashishthaji himself offered the cow (saying), “Take it brother.” (Someone said – He failed once in between). Yes.

(किसी ने कहा – वो मेनका आया) तो ये कथायें बनाई हुई है। मेनका कोई दूसरी नहीं है। एड़वांस पार्टी जब शुरू होती है तो बीच हुआ, या आदि हुआ या अंत हुआ? बीच हुआ। एड़वांस पार्टी शुरू होती है तो 'मेन' माना मुख्य और 'क' माना क्या। है? प्रश्नचिह्न पैदा होता है उसके लिये – ये मुख्य है क्या? माना एड़वांस पार्टी की शुरूवात में पहले–पहले सरेंडर तो होती है, बाप की बनती है, तो बहुतों को शक पैदा हो जाता है, क्या? बाप की बनती है लेकिन बाप के साथ आदि से लेकर अंत तक तो क्या, थोड़ा समय भी निभा नहीं पाती है। क्या? बाप का बनने से नंबर बनेगा? मुखिया का नंबर बन जावेगा। मुख्य मणका बन जावेगा या निभाने से बनेगा? (किसी ने कहा – निभाने से) है? निभाने से बनेगा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

[Someone said – there is a mention of *Menaka* (a fairy from among the court of *Indra* in heaven)]. So, these stories have been written. *Menaka* is not anyone else. When the Advance Party started, was it the middle or the beginning or the end (of the *yagya*)? It was the middle. When the Advance Party begins; then the *'Men' means* main and '*ka*' means what? Hum? A question mark is raised about her, "Is she the main one?" It means that in the beginning of the Advance Party, when she surrenders at first ; when she becomes of the Father , so many people become doubtful; what? She does become the Father's , but leave aside the question of maintaining from the beginning till the end, she is unable to maintain even for a little time with the Father . What? Will one obtain the number (i.e. rank) just by becoming of the Father ? Will one achieve the number (i.e. rank) of the chief, will he/she become the main bead or will he/she achieve the number by maintaining (the relationship with the Father)? (Someone said – By maintaining the relationship) Hum? One will achieve the number by maintaining the relationship.

तो आदि में सरेंड़र तो होती है, लेकिन साथ नहीं निभाती। साथ दूसरों–दूसरों का भी निभाती है, और बाप का भी निभाती है। तो मायावी हो गयी या श्रेष्ठ होगी? मायावी हो गई। तो लोगों को ये शक हो जाता है ब्राह्मणों को ये शक हो जाता है कि पहले–पहले ये सरेंडर हो गई, भगवान की बन गई तो ये मुख्य है क्या? मेन। 'मेन' माना? मुख्य। मेन का। माना यही मुखिया है क्या? खास करके कलकत्ता वालों को ये प्रश्न पैदा होता है। वो महाकाली को बहुत मानते है। संशय में पड़ जाते है। तो मेनका पहले पहले विश्वामित्र की तपस्या भंग करती है। बीच में। तपस्या भंग हो जाती है। तो तपस्या में रोड़ा अटक गया ना। प्राप्ति होगी या नहीं होगी? है? तपस्या में अगर मेनका ने खलल डाल दिया तो तपस्या भंग हो गई। प्राप्ति हो नहीं सकती। एक बार तो मेनका उनकी तपस्या भंग कर देती है। बाद में भले वो जीत जाये।

So, she does surrender in the beginning, but does not maintain (the relationship). She maintains relationship with others as well as with the Father. So, did she become the illusive (*mayavi*) or will she be the righteous one? She became an illusive (form). So, people become doubtful, the Brahmins become doubtful that she surrendered at first, she became of God so is she the main one? Main. What does *'Men'* mean? It means *'Mukhya'* (main). *Men-ka*. Is she the chief (*mukhiya*)? Especially the residents of Calcutta develop this doubt. They believe a lot in *Mahakali*. They develop a doubt. So, first of all *Menaka* breaks the *tapasya* of *Vishwamitra*. . The *tapasya* is disturbed in between. So, an obstacle was created in the *tapasya*, was it not? Will he achieve attainment or not? Hum? If *Menaka* created an obstacle in the *tapasya*, then the penance was disturbed. He cannot achieve the attainment. *Menaka* disturbs his *tapasya* once. But he may win later on.

समयः 14.40–16.50

जिज्ञासुः बाबा एक वार्तालाप में कहा है – सहनशीलता का पार्ट किसने बजाया है? ब्रह्मा बाबा ने। फिर एक मुरली में कहा है सहन शक्ति का पार्ट सुप्रीम सोल ने बजाया है। दो कैसे बताया बातें?

बाबाः प्राप्ति देहधारी को होती है पार्ट बजाने की, कोई भी पार्ट बजाया जाता है तो जो पार्ट बजाया जाता है उस पार्ट की प्राप्ति देहधारी को होती है, आत्मा को होती है, या भगवान बाप को होती है? (किसी ने कहा– देहधारी को) भगवान बाप देहधारी तो नहीं है। भल ब्रह्मा के तन में दादा लेखराज के तन में सहनशीलता का पार्ट भगवान शिव ने ही बजाया परंतु जिसके तन के द्वारा बजाया वो तनधारी उस सहनशीलता की प्राप्ति का अधिकारी हुआ या निराकार हुआ?

Time: 14.40-16.50
Student: Baba it has been said in a discussion (CD) – Who has played the part of tolerance? Brahma Baba did. Then, in another *Murli* it has been said that the part of tolerance was played by the Supreme Soul. So, why this variation is there?
Baba: Does the bodily being acquires the attainment of playing a part accrue ; does the bodily being , does the souls acquires it or does God the Father acquires the attainment of whatever part that is played ? (Someone said – the bodily being acquires it) God, the Father is not a bodily being. Although it was God Shiv who played the part of tolerance through the body of Brahma, through the body of Dada Lekhraj, yet, did the bodily being through whom that part of tolerance was played or the incorporeal became the holder of the attainment of the tolerance?

तन के द्वारा सहनशीलता धारण की ना। सुख–दुख तन के द्वारा भोगा जाता है या बिना तन के भोगा जाता है? तन के द्वारा भोगा जाता है। तो तन किसका था? (किसी ने कहा – ब्रह्मा बाबा) ब्रह्मा का। इसलिए भल ब्रह्मा के द्वारा सहनशीलता का पार्ट सुप्रीम सोल शिव ने बजाया परंतु तन ब्रह्मा का था इसलिए उसकी उपलब्धि भी ब्रह्मा के लिए जाएगी। शिव उसकी उपलब्धि प्राप्त नहीं करता। ऐसे नहीं कि शिव ने सहन किया तो शिव की आत्मा अगले जनम में सहन कराने के निमित्त बनेगी। नहीं। जिस तन के द्वारा सहन किया वो तनधारी आत्मा ही सहन कराने के निमित्त बनेगी।
The tolerance was imbibed through the body, wasn't it? Happiness and sorrow are experienced through the body or without the body? They are experienced through the body. So, whose body was it? (Someone said – Brahma Baba) Brahma's. That is why, although it was the Supreme Soul Shiv who played the part of tolerance through Brahma, yet the body belonged to Brahma, therefore, its attainment will also belong to Brahma. Shiv does not achieves its attainments. It is not as if Shiv tolerated; so, Shiv's soul will become instrumental in making someone tolerate in the next birth. No. The body through which the part of toleration was played, that soul of the bodily being will only become instrumental in making someone tolerate (in the future birth).

समयः 18.54–24.54
जिज्ञासुः नई दुनिया का फाउन्डेशन कितनी आत्माओं के द्वारा डाला जाता है? और कब तक?
बाबाः जो फाउन्डेशन डालने वाले होते हैं, वो तीन तरह के होते हैं। कोई मकान बनता है तो मकान का फाउन्डेशन डालने वाले। पहले तो होता है मकान मालिक। क्या? मकान मालिक होता है ना। कारीगरों को बुलाता है। इंजीनियर को बुलाता है। कहते हैं – तुम ये नक्शा बनाओ। हैं? हां। तुम ये–ये काम करो। और मजदूरों को भी बुलाता है। तो वो धन के लोभ में सबको इन्स्पिरेट करता है, उमंग उत्साह बढ़ाता है। इंजीनियर सोचता है अरे, हमको इतना पैसा मिलेगा। बढ़िया, बढ़िया नक्शा बनाओ। कारीगर भी कहता है – अरे, इतना पैसा मिलनेवाला है, तो वो कारीगर बढ़िया–बढ़िया बिल्डिंग बनाता है। और जो मजदूर होते हैं वो भी सोचते हैं अरे इतनी मजदूरी जितनी यहां से मिल रही है उतनी मजदूरी तो कभी मिलने वाली नहीं है। तो वो बड़े फोर्स से काम करता है।
Time: 18.54-24.54
Student: Through how many souls is the foundation for the new world laid? And till when?
Baba: Those who lay the foundation (for the new world) are of three types. When a house is built, there are persons who lay the foundation of the house. Initially there is a house owner. What? There is a house owner, isn't it? He calls the craftsmen. He calls the Engineers. He says them, "You prepare this blueprint *(naksha)*." Hum? Yes. "You do this and this work." And, he calls the labourers as well. So, he inspires everyone with the temptation of wealth,

increases their zeal and enthusiasm. Engineer thinks, “Arey! I will get so much money. Let me prepare a good, nice map.” Even the worker says, “Arey, I am going to get so much money.” So, that worker builds a very nice building. And also the labourers think, “Arey, we will never be receiving such good wages as we are receiving here. So, he works with a lot of force.

तो उमंग उत्साह देने वाला मालिक अलग। क्या? दूसरा है बड़े–बड़े इंजीनियर और बड़े–बड़े कारीगर। वो प्लानिंग करते हैं सलाह मशवरा करते हैं – ऐसे–ऐसे करना चाहिए, ऐसे–ऐसे करना चाहिए। ऐसे बनाना चाहिए। और तीसरे होते हैं – वजन ढ़ोने वाले, ईंट ढ़ोते हैं, सामान ढ़ोते हैं, नीचे ले जाते हैं, ऊपर लेके आते हैं। मेहनत बहुत करते हैं। तो यहां भी तीन प्रकार की पार्टी है। नई दुनिया बनाने वाले। कौनसे? एक तो (किसी ने कहा – प्लानिंग) जो सतयुग रूपी नई दुनिया आवेगी, स्वर्ग बनेगा, उस दुनिया को बनाने के लिए, इन्स्पिरेट करने वाली आत्माएं। क्या? उमंग उत्साह बढ़ाने वाली आत्माएं।
So, the owner (of the house) who infuses zeal and enthusiasm is different. What? Second are the big engineers and big artisans. They plan and consult each other, “we should do like this; we should do like this. We should build like this.” And the third are those who carry the weight; they carry the bricks, carry the things, carry it down, and carry it above. They do a lot of hard work. So, even here there are three kinds of parties, who build the new world. Which ones? One (Someone said – planning) kind of souls are those which give inspiration to make the Golden Age like new world that will arrive, the heaven that will be made. What? The souls that increase the zeal and enthusiasm.

जो शरीर छोड़ती जा रही हैं ना। ब्रह्माकुमार–कुमारी। जो शरीर छोड़ने वाले हैं, वो सतयुग रूपी जो मकान बनेगा, उसके पहले–पहले मालिक होंगे या नहीं होंगे? हैं? अनेक होंगे? बच्चा, बाप का बच्चा होता है, तो मालिक होता है ना। वो तो आत्माएं अभी मालिक बन करके प्रवेश करके उमंग उत्साह बढ़ा रही हैं। और जिनमें प्रवेश किया जा रहा है वो प्लानिंग कर रही हैं। और जिनमें प्रवेश किया जा रहा है वो प्लानिंग कर रही हैं। बुद्धि की तीखी हैं। मनन–चिंतन–मंथन करके बढ़िया प्लानिंग तैयार करके देती है। अच्छे–अच्छे कारीगर हैं उसमें। वो कौनसी आत्माएं हैं? जिनमें प्रवेश हो रहा है – एडवान्स पार्टी की आत्माएं। और तीसरी वो हैं – जो उमंग–उत्साह बढ़ानेवाली नहीं हैं, नक्शा बनाने वाली भी नहीं हैं, प्लानिंग करने वाली भी नहीं है। लेकिन उनके बिगर मकान नहीं बन सकता। क्या? (किसी ने कहा – प्रैक्टिकल पार्टी) हैं? वो वो आत्माएं हैं जिनमें प्यारिटी की पावर बहुत है। दुनिया के सारे काम कौनसी ताकत से होते हैं?
The Brahmakumar-kumaris who are leaving their bodies, are they not? Will those who are the ones to leave their bodies, become the first owners of the house-like Golden Age or not? Hum? There will be many. Suppose there is a child, a father’s child; he is the owner (of his father’s property), is he not? So, those souls are increasing the zeal and enthusiasm by entering as owners now. And the ones in whom those souls are entering, they are planning. They have a sharp intellect. They think, churn, and prepare very nice plans and give. It includes good artisans. Which are those souls? The ones in whom they are entering? They are the souls of the advance party. And third are not the ones to increase the zeal and enthusiasm; they are not the ones to prepare the maps and they are not the ones to do the planning either. But the house cannot be built without them. What? (Someone said – Practical party) Hum? So, they are the souls which have a lot of power of purity. Through which power are all the jobs of the world carried out?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

(किसी ने कहा – प्योरिटी की पावर से) प्योरिटी की पावर से होते हैं। प्योरिटी की पावर नहीं है तो कोई काम नहीं। कितना भी सोचते रहो, दिमाग चलाते रहो, नक्शे बनाते रहो, कुछ होने वाला नहीं। गांधीजी और उनके फॉलोवर रामराज्य चाहते थे। लेकिन प्योरिटी की पावर तो थी नहीं। तो रामराज्य की जगह और क्या बन गया? रावणराज्य बन गया। पहले–पहले प्योरिटी की पावर चाहिए। तो ब्राह्मणों की दुनिया में एक ग्रुप ऐसा भी है – जिसमें प्योरिटी की पावर है। क्या? दिमाग इतना ज्यादा नहीं है कि नई दुनिया का नक्शा बना सकें और दूसरों को बता सकें। लेकिन मकान बनाने वाले कारीगर बहुत तीखे हैं। तो वो है विजयमाला। तो समझ में आ गया? क्या प्रश्न था? प्रश्न एक बार फिर रिपीट करो तो समझ में आए सबको।

(Someone said – through the power of purity) They take place through the power of purity. No task can be accomplished if there is no power of purity. Howevermuch you may keep thinking, you may keep using your brains, you may keep preparing the blueprints; nothing is going to happen. Gandhiji and his followers wanted to bring kingdom of Ram (*Ramrajya*). But they did not have the power of purity. So, what was made instead of *Ramrajya*? It became a kingdom of Ravan. First, the power of purity is required. So, there is also one such group in the world of Brahmins which has the power of purity. What? They are not intelligent enough to prepare the blueprint of the new world and to tell others. But they are very sharp craftsmen at building the house. So, that is a rosary of victory *(Vijaymala)*. So, did you understand? What was the question? Repeat the question so that everyone can understand.

जिज्ञासुः सतयुग का फाउन्डेशन।
दूसरा जिज्ञासुः नई दुनिया का फाउन्डेशन कितने आत्माओं के द्वारा डाला जाता है और....................
बाबाः अब समझ में आ गया?
जिज्ञासुः कब तक?
बाबाः तो समझ में आ गया? क्या? उसमें बेसिक पार्टी के शरीर छोड़ने वाली भी आत्माएं हैं, नई दुनिया का फाउन्डेशन डालने वालों में। और? एडवान्स पार्टी की प्लैनिंग पार्टी वाले भी हैं। अभी दो इकट्ठे हुए हैं। क्या? अभी तीसरा ग्रुप नहीं आया है। और तीसरी ग्रुप आवेगा और फाउन्डेशन पक्का पड जावेगा।
Student: The foundation of the Golden Age……….
Second student: Through how many souls is the foundation for the new world laid and………………
Baba: Did you understand it now?
Student: Until when?
Baba: So, did you understand? What? Those who lay the foundation for the new world include the souls of the basic party, which are leaving their bodies and, who else? They include the planning party of the Advance Party as well. Now two (groups) have come together. What? Now the third group has not come. And as soon as the third group comes the firm foundation will be laid.

समयः 26.10–27.40
जिज्ञासुः बाबा, महादेव ने रावण की शक्ति पर प्रसन्न होकर आत्मलिंग ज्योति देते हैं और आत्मलिंग धरती से स्पर्श नहीं होना (चाहिए) ऐसे कहते हैं।
बाबाः हां, जी।
जिज्ञासुः इसका बेहद में मतलब क्या है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 26.10-27.40
Student: Baba, Mahadev became pleased with the power of Ravan and gave him the the light of *aatmaling* (*Shivling*) and he tells him that the *aatmaling* should not touch the ground.
Baba: Yes.
Student: What does it mean in an unlimited sense?

बाबाः इसका बेहद में मतलब ये है कि राम ही रावण बनता है, बोला है? हैं? माना राम वाली आत्मा हो गई रावण। हैं? और भगवान हो गया शिव। दोनों आत्माएं अलग–अलग है कि एक ही है? भक्तिमार्ग में शिव–शंकर का मिला के एक कर दिया, लेकिन भगवान शंकर नहीं है। भगवान कौन है? (सबने कहा– शिव) शिव है भगवान। और उन्होंने दे दिया उनको ज्योतिर्लिंग। क्या? लेओ, इसको संभाल के रक्खो। भले इससे सारा काम लो। ये लिंग जो काम करता है सो करो, लेकिन क्या नहीं करना? ये जमीन में स्पर्श ना करने पाये। जमीन माना मिट्टी। ये देहअभिमान की मिट्टी में अगर स्पर्श कर गया तो खेल खलास। आया समझ में? आ गया?
Baba: In an unlimited sense it means that Ram himself becomes Ravan; has it been said like this? Hum? It means that the soul of Ram is Ravan. Hum? And God is Shiv. Are both souls different or one and the same? In the path of worship Shiv and Shankar have been mixed-up to make one, but Shankar is not God. Who is God? (Everyone said – Shiv) Shiv is God. And He gave him (Shankar) the *jyotirling*. What? Take this and take care of it. You may get the entire job done by it. Make the *ling* perform the work that it does, but what should you not do? It should not touch the ground. Ground means soil. If it touches the soil-like body consciousness, then the entire drama will be over. Did you understand? Did you?

समयः 28.20–31.30
जिज्ञासुः वार्तालाप में कहा है स्त्री चोला होते हुए भी अंत में पुरुष बन जावेंगे। फिर ऐसे क्यों कहते हैं कि स्त्री नारायण नहीं बन सकती? कहते हैं जो जैसा....
बाबाः जो नारायण बनेगा वो नारायण नई दुनिया में बनेगा, नई दुनिया में राज्य करेगा या पुरानी दुनिया में राज्य करेगा? हैं? नई दुनिया में राज्य करेगा। और जो जगदम्बा का पार्ट होगा वो 500 करोड़ की दुनिया के बीच में होगा, सारे जगत के बीच में होगा या नई दुनिया की थोड़ी आत्माओं के बीच में होगा? (सबने कहा – सारी दुनिया के बीच) सारे जगत के बीच में होगा। तो वो संगमयुग का पार्ट हो गया – पुरानी दुनिया के बीच में असुरों को मारने का पार्ट।
Time: 28.30-31.30
Student: It has been said in a discussion (CD) that despite being in a female body one would become a male in the end. Then why is it said that a woman cannot become Narayan? It is said that...
Baba: Will the one who becomes Narayan, become Narayan in the new world, will he rule in the new world or will he rule in the old world? Hum? He will rule in the new world. And will the part of *Jagdamba* be in the midst of a world of (population of) 500 crores (5 billion), in the midst of the entire world or in the midst of a few souls of the new world? (Everyone said – In the midst of the entire world) It will be in the midst of the entire world; so that is a role of the Confluence Age - a role of killing the demons in the midst of the old world.

चाहे वो एक जगदम्बा हो जो महाकाली बनती है। और चाहे वो जगदम्बा की भुजाएं हो। ढ़ेर भुजाएं होती हैं ना। तो वो भुजाएं भी वो ही पार्ट बजाती हैं। कौनसा पार्ट? जो महाकाली पार्ट बजाती है असुर संहारिणी का वो महाकाली की भुजाएं भी वो ही पार्ट बजाती हैं लेकिन चोला कौनसा होता है? स्त्री चोला होता है। वो स्त्री चोले से सारे विश्व के सब असुरों के

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ऊपर कंट्रोल करती है। पुरानी दुनिया में, असुरों की दुनिया में, पतितों की दुनिया में, सब पतित होते हैं, कोई पावन भी होता है? हैं? पतित दुनिया में सब पतित होंगे, असुर होंगे या देवता होंगे? सब असुर होते हैं। और पावन दुनिया में (सबने कहा – सब पावन) सब पावन होंगे।

Whether it is one *Jagdamba* who becomes *Mahakali* and whether they are the arms of *Jagdamba*. There are a lot of arms, aren't there? Then those arms play the same role as well. Which part? The arms of *Mahakali* also play the same part of destroying the demons that *Mahakali* plays. But which body do they have? They have a female body. She controls all the demons of the entire world through the female body. In the old world, in the world of demons, in the world of sinful ones, is everyone sinful or is anyone pure? Hm? Will everyone be sinful, demons in the sinful world or will there be deities? Everyone is a demon. And in the pure world (Everyone said – everyone will be pure) everyone will be pure.

तो जगदम्बा का पार्ट कहां होगा और नारी से लक्ष्मी बनने वाले का पार्ट कहां होगा? वो तो नई दुनिया की बात हो गई। और जगदम्बा का पार्ट (किसी ने कहा – पुरानी) पुरानी दुनिया की बात। पुरानी दुनिया के अन्दर जब तक नारी चोला है, और नारी चोला से ऐसे पार्ट बजाया है – अड़भंगा। जैसे शंकर के लिए कहते हैं ना – अड़भंगे। महाकाल अड़भंगा है तो महाकाली भी अड़भंगी है। सबकी समझ में आने वाला पार्ट नहीं है। तो स्त्री चोला जब तक है तब तक उसका गायन है संगमयुग का। और फिर जब दुनिया का विनाश हो जावेगा। विनाश होने के टाइम पर वो स्त्री चोला बदल करके क्या हो जावेगा? पुरुष हो जावेगा।

So, where will be the part of *Jagdamba* and where will be the part of the one who transforms from a woman to *Lakshmi*? That is a topic of the new world. And *Jagdamba's* part (Someone said – old) is a topic of the old world. In the old world, until the female body exists; she has played such an uneven *(adbhanga)* part through the female body. For example, it is said for Shankar, (that he is) uneven *(arbhanga)*, isn't it? If *Mahaakaal* (Shankar) is *adbhanga* then also the *Mahakali* is uneven *(arbhangi)*. It is not a role that can be understood by everyone. So, until she has a female body, it is the raise for her in the Confluence Age. And then when the world is destroyed, at the time of destruction; what will that female body change into? It will become a male (body).

…………………………………………………………………………………………………

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info